Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886| UGC CARE II
Vol. 19 Issue 04, April- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

उत्तरकाशी जिले के सिलक्यारा में निर्माणाधीन ऑल वेदर रोड की सुरंग मे फंसे श्रमिकों के बचाव अभियान का समाचार पत्रों के आधार पर अंतर्वस्तु विश्लेषण

विनोद कुमार पोखरियाल, शोधार्थी, जन संचार विभाग, एसजीजीआर विवि, देहरादून
डॉ आशा बाला, अस्सिटेंट प्रोफेसर, जन संचार विभाग, एसजीजीआर विवि, देहरादून

प्रस्तावना

प्रस्तुत शोध पत्र जिसका विषय 'उत्तरकाशी जिले के सिलक्यारा में निर्माणाधीन ऑल वेदर रोड की सुरंग में फंसे श्रमिकों के बचाव अभियान का समाचार पत्रों के आधार पर अंतर्वस्तु विश्लेषण' है। विषय में आपदा अत्यधिक महत्वपूर्ण विषय है। आपदा के पारिभाषिक अर्थ को समझना अध्ययन की प्राथमिकता को समझने के लिए आवश्यक है।

उत्तराखंड एक हिमालयी राज्य है, भूकम्प, भूस्खलन, बाढ़, हिम–स्खलन, अतिवृष्टि, बादल फटना वनाग्नि के साथ ही बढ़ रहे मानवीय दबाव के चलते आपदाओं की निरंतरता लगातार हो रही है। समूचा राज्य आपदा की दृष्टि से अति संवेदनशील है।[1] प्राकृतिक आपदाएं अक्सर अकस्मात और तीव्र होती हैं। इनस जानमाल की हानि के साथ ही बड़ी मात्रा में संसाधन भी नष्ट होते हैं। जिससे मनुष्य के सामान्य जीवन और विकास में बाधा उत्पन्न होती है। [2]

भौगोंलिक संरचना की दृष्टि से सर्वाधिक नवीन पर्वत श्रृंखला होने के कारण हिमालयी क्षेत्र सदियों से प्राकृतिक आपदाओं से संघर्ष कर रहा है। अनियोजित और अवैज्ञानिक तरीके से निर्माण के कारण बाढ़, भूकम्प व भूस्खलन हिमालय की सुंदर घाटियों और पर्वतों की तहलटी में बसे गांवों को तहस–नहस कर करते आ रहे हैं।[3]

सिलक्यारा सुरंग बचाव अभियान का सारांश

उत्तराखंड राज्य का उत्तरकाशी जिला सीमांत जिला है। इस जिले से चीन की सीमाएं लगती है। सामारिक दृष्टि के साथ ही जिले में यमुनोत्री और गंगोत्री दो हिंदुओं के पवित्र तीर्थ स्थल है और हर साल यहां देश–विदेश से लाखों की संख्या में तीर्थ यात्री दर्शनों को लिए आते हैं। भारत सरकार ने गंगोत्री–यमुनोत्रो तक की यात्रा को सुगम व सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से

वर्ष 2022 में ऑल वेदर रोड परियोजना को स्वीकृति दी। परियोजना के तहत उत्तरकाशी जिले के सिलक्यारा से बड़कोट डंडालगांव तक 4.5 किलोमीटर सुरंग निर्माण कार्य गतिमान है। परियोजना के निर्माण के दौरान 12 नवम्बर 2023 को सुबह 5 बजकर 30 मिनट पर सुरंग का एक हिस्सा भूस्खलन की चपेट में आ गया और सुरंग के भीतर 41 श्रमिक फंस गए।[4] इन श्रमिकों को निकालने के लिए 29 नवम्बर 2023 तक बचाव अभियान चला। बचाव अभियान के दौरान क्षेत्रीय समाचार पत्र दैनिक अमर उजाला, दैनिक जागरण, दैनिक हिन्दुस्तान में प्रकाशित समाचारों का अंतर्वस्तु विश्लेषण कर अध्ययन किया गया।

उद्देश्य

अ. उत्तरकाशी ऑल वेदर रोड सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को लेकर चले बचाव अभियान को लेकर प्रकाशित समाचारों का अध्ययन।

ब– उत्तरकाशी ऑल वेदर रोड सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को लेकर चले बचाव अभियान के समाचारों का अंतर्वस्तु विश्लेषण।

अध्ययन की समीक्षाः

शोध विश्लेषण का संबंध तथ्यों के विश्लेषण से है। कोई भी वैज्ञानिक शोध तब तक पूर्ण नहीं माना जाता जब तक संकलित तथ्यों की सुव्यवस्थित करके उनका विश्लेषण न किया जाए। शोधकर्ता किसी घटना को ही सब कुछ मानकर नहीं चल सकता। उसे संकलित तथ्य सामग्री की जांच करनी होगी, उनके पारस्परिक संबंधों का पता लगाना होगा। तथ्यों का विश्लेषण करने में पुरानी धारणाओं की या तो पुष्टि होती है या उनकी अप्रमाणिकता या असत्यता सिद्ध होती है। शोधकर्ता जब अपनी लगन और एकाग्रता से तथ्यों की जांच करता है, तो उसे नई–नई परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिसकी कल्पना उसने पहले नहीं की थी अतः वह एक ऐसी व्यवस्था में प्रशिक्षण प्राप्त करता है, जो मानव जीवन के लिए बड़ी उपयोगी है। शोधकर्ता की यदि ठोस परिणाम पहुंचने की तीव्र इच्छा है, तो उसे विश्लेषण कार्य पर अधिक जोर देना होगा, क्योंकि उसके बिना परिणामों की घोषणा करना स्वयं को आफत में डालना और शोध के साथ खिलवाड़ करना है। [5]

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886| UGC CARE II
Vol. 19 Issue 04, April- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

पीवी यंग के अनुसार : वैज्ञानिक शोध विश्लेषण की धारणा यह है कि एकत्रित तथ्यों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण व भेद खोलने वाली बात और कुछ भी नहीं है, यदि सुव्यवस्थति तथ्यो ंको सारे अध्ययन से जोड़ा जाए तो उनका एक महत्वपूर्ण सामान्य अर्थ प्रकरण हो सकता है, जिसके द्वारा प्रामाणिक व्याख्याएं निकाली जा सकती हैं।[6]

एल.एल जेनिस के अनुसार – अंतर्वस्तु विश्लेश्लेषण को संकेत वाहकों के वर्गीकरण की प्रविधि के रूप में उल्लिखित करके परिभाषित किया जा सकता है, जो केवल निर्णय पर निर्भर करती है।[7]

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन ' उत्तरकाशी जिले के सिलक्यारा में निर्माणाधीन ऑल वेदर रोड की सुरंग में फंसे श्रमिकों के बचाव अभियान का समाचार पत्रों के आधार पर अंतर्वस्तु विश्लेषण ' विषय को आधार मानते हुए अंतवस्तु विश्लेषण अध्ययन विधि का चयन किया गया है। अंतर्वस्तु विश्लेषण का अर्थ है, जब गुणात्मक संकेतीकरण को विभिन्न संचार साधनों, जैसे पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, रेडियो कार्यक्रमों या इसी तरह की सामग्रियों की अंतर्वस्तु के संदर्भ में किया जाता है, तो इसे अंतर्वस्तु विश्लेषण कहा जाता है। [7]
जिसके अंतर्गत विश्लेषण के लिए 14 नवम्बर 2023 से 29 नवम्बर 2023 तक की अवधि के तीन समाचार पत्रों का संकलन किया गया। तीनों समाचार पत्रों का वर्ग सेंटीमीटर के आधार पर सांख्यकीय विश्लेषण किया गया है। आंकड़ो के संकलन के लिए प्राथमिक आंकड़ा स्रोत के माध्यम से चयनित समाचार पत्रों की संबधित विषय की कवरेज से आंकड़े जुटाए गए और द्वितीयक स्रोत के रूप में गुणात्मक परीक्षण किया गया।

अध्ययन में सिलक्यारा में निर्माणाधीन ऑल वेदर रोड सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों के बचाव अभियान का समाचार पत्रों के आधार पर अंतर्वस्तु विश्लेषण के लिए दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला, दैनिक जागरण व हिन्दुस्तान समाचार पत्रों का चयन किया गया। अध्ययन के लिए 14 नवम्बर 2023 से 29 नवम्बर 2023 तक के समाचार पत्रों को चुना गया है। प्रत्येक समाचार पत्र के 16 दिनों तक तीन–तीन पृष्ठों का विश्लेषण किया गया। यानि (16×3 = 48) अंकों का अध्ययन कर विशलेषण किया गया। विश्लेषण के लिए उद्देश्यपरक सैंपलिंग विधि से तीनों

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886| UGC CARE II
Vol. 19 Issue 04, April- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

समाचार पत्रों के तीन–तीन पृष्ठों का चयन किया गया। तीनों समाचार पत्रों में अधिकांश एक–एक पूरा पृष्ठ प्रकाशित किया गया है। इसे आधार मानकर विशेष पृष्ठ का नाम दिया गया। इस तरह कुल 16 दिन यानि दो सप्ताह और दो दिन यानि कुल 16 दिन के 48 समाचार पत्रों का विश्लेषण किया गया।

विश्लेषण

अध्ययन का विषय 'उत्तरकाशी जिले के सिलक्यारा में निर्माणाधीन ऑल वेदर रोड की सुरंग में फंसे श्रमिकों के बचाव अभियान का समाचार पत्रों के आधार पर अंतर्वस्तु विश्लेषण' है, अध्ययन में अमर उजाला, दैनिक जागरण और हिन्दुस्तान समाचार पत्र को शामिल किया गया। 14 नवम्बर 2023 से 29 नवम्बर 2023 तक प्रकाशित समाचार पत्रों के अंक संकलित किए गए और उद्देश्य के अनुरूप दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार में प्रकाशित सिलक्यारा सुरंग बचाव अभियान से संबंधी समाचारों की गणना का मापन वर्ग सेंटीमीटर में किया गया। निम्न तालिका से स्पष्ट किया गया है। तालिका निम्न है :–

तालिका संख्या 1.0

क्रसं.	समाचार पत्र	अध्ययन में सम्मिलित पृष्ठ	अध्ययन में सम्मिलित 16 दिनों के कुल पृष्ठ	प्रत्येक पृष्ठ का क्षेत्रफल (वर्ग सेंमी में)	कुल पृष्ठों का क्षेत्रफल (वर्ग सेंमी में)
1–	अमर उजाला	3	16×3 = 48	52×32 = 1664	1664×48 = 79,872
2–	दैनिक जागरण	3	16×3 = 48	52×32 = 1664	1664×48 = 79,872
3–	हिन्दुस्तान	3	16×3 = 48	52×32 = 1664	1664×48 = 79,872

तालिका संख्या 1.0 से स्पष्ट होता है कि अध्ययन में क्षेत्रीय दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला, दैनिक जागरण व हिन्दुस्तान के तीन–तीन पृष्ठ सम्मिलित किए गए। 14 नवम्बर 2023 से 29 नवम्बर 2023 तक कुल 16 दिवस के आधार पर एक समाचार पत्र के 48 अंक विश्लेषण में शामिल किए गए। इस प्रकार अध्ययन में (16×3 = 48) पृष्ठों का अध्ययन किया गया। समाचार पत्र के एक पृष्ठ का क्षेत्रफल 1664 वर्ग सेंटीमीटर है। इस आधार पर शोध अध्ययन में शामिल कुल पृष्ठों की माप 79,872 वर्ग सेंटीमीटर है।

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886| UGC CARE II
Vol. 19 Issue 04, April- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों के बचाव को लेकर 14 नवम्बर 2023 से 29 नवम्बर तक चले अभियान को लेकर दैनिक अमर उजाला समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों की तालिका निम्न है :–

तालिका संख्या –1.1

क्रसं.	दिनांक	प्रथम पृष्ठ में प्रकाशित समाचार (वर्ग सेमी में)	गढ़वाल पृष्ठ (वर्ग सेमी में)	विशेष पृष्ठ (वर्ग सेमी में)	योग	प्रतिशत
1.	14.11. 2023	425	1120	1658	3203	64.16
2.	15.11. 2023	360	956	1567	2883	57.75
3.	16.11. 2023	298.3	1145	1654.67	3097. 97	62.05
4.	17.11. 2023	365	1232.23	1543	3140.23	62.90
5.	18.11. 2023	305.5	1132	1587.76	3025.26	60.60
6.	19.11. 2023	643	1252.12	1600	3495.12	70.01
7.	20.11. 2023	278	1409	1354	3041	60.91
8.	21.11. 2023	389.55	1306	1223	2918.55	58.46
9.	22.11. 2023	242	987	1432.55	2661.55	53.31
10.	23.11. 2023	354.7	1546	1634	3534.7	70.80
11.	24.11. 2023	298	1300	1656.33	3254.33	65.19
12.	25.11. 2023	354	1152.4	1567	3073.4	61.65
13.	26.11. 2023	289.65	1045	1345	2679.65	53.67
14.	27.11. 2023	324	1108	1432.44	2864.44	57.38
15.	28.11. 2023	1243.5	1154.6	1532	3930.1	78.72
16.	29.11. 2023	1543	1305	1432	4280	85.73
	योग	7713.2	19150.35	24218.754	51082.3	63.95

तालिका संख्या 1.1 में स्पष्ट है कि दैनिक अमर उजाला समाचार पत्र ने 14 नवम्बर 2023 से 29 नवम्बर 2023 तक 51082.3 वर्ग सेंटीमीटर समाचार प्रकाशित किए। प्रकाशित समाचारों का कुल प्रतिशत 63.95 रहा। समाचार पत्र के प्रथम पृष्ठ पर 7,713.2 वर्ग सेंटीमीटर समाचार प्रकाशित किए गए। सबसे अधिक समाचारों का प्रकाशन विशेष पृष्ठ पर किया गया। समाचार पत्र ने विशेष पृष्ठ पर 24218.754 वर्ग सेमी समाचारों का प्रकाशन किया। गढ़वाल पृष्ठ पर 19,150.35 वर्ग सेंटीमोटर समाचारों का प्रकाशन किया। कुल 63.95 वर्ग सेंटीमीटर में समाचारों की कवरेज की गई।

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886| UGC CARE II
Vol. 19 Issue 04, April- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

आरेख संख्या – 1.0

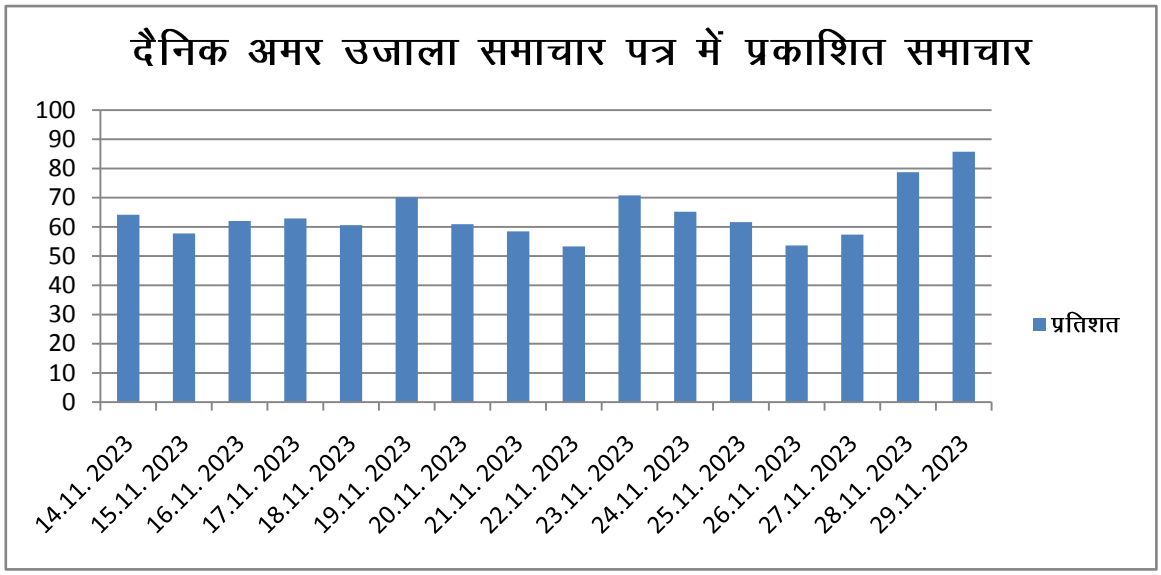

सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों के बचाव को लेकर 14 नवम्बर 2023 से 29 नवम्बर तक चले अभियान को लेकर दैनिक जागरण समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों की तालिका निम्न है :–

तालिका संख्या 1.1

कसं.	दिनांक	प्रथम पृष्ठ में प्रकाशित समाचार (वर्ग सेमी में)	गढ़वाल पृष्ठ (वर्ग सेमी में)	विशेष पृष्ठ (वर्ग सेमी में)	योग	प्रतिशत
1.	14.11. 2023	505	823	1662	2990	59.89
2.	15.11. 2023	605	1122.5	1456.65	3184.15	63.70
3.	16.11. 2023	543.5	1123	1662	3328.5	66.67
4.	17.11. 2023	342	1036	1464.3	2842.3	56.93
5.	18.11. 2023	434.9	1232	1645	3311.9	66.34
6.	19.11. 2023	565	1189.78	1576.5	3331.28	66.73
7.	20.11. 2023	323	1203	1654	3180	63.70
8.	21.11. 2023	465	1100	1454.6	3019.6	60.47
9.	22.11. 2023	298.7	909.53	1545	2753.23	55.15
10.	23.11. 2023	670	1001	1661.5	3332.5	66.75
11.	24.11. 2023	298	1564	1203.5	3065.5	61.39
12.	25.11. 2023	543	1322	1232.78	3097.78	62.03
13.	26.11. 2023	289.45	1432	1323.7	3045.23	60.99
14.	27.11. 2023	354	1282.4	1329.5	2965.9	59.41
15.	28.11. 2023	1234.5	1329.3	1075.11	3638.91	72.87
16.	29.11. 2023	1564	1663	1652	4879	97.76
	योग	9035.05	19332.51	23598.14	51965.78	65.04

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886| UGC CARE II
Vol. 19 Issue 04, April- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

तालिका संख्या 1.2 में स्पष्ट है कि दैनिक जागरण समाचार पत्र ने 14 नवम्बर 2023 से 29 नवम्बर 2023 तक 51965.3 वर्ग सेंटीमीटर समाचार प्रकाशित किए। प्रकाशित समाचारों का कुल प्रतिशत 65.04 रहा। समाचार पत्र के प्रथम पृष्ठ पर 9,035.05 वर्ग सेंटीमीटर समाचार प्रकाशित किए गए। सबसे अधिक समाचारों का प्रकाशन विशेष पृष्ठ पर किया गया। समाचार पत्र ने विशेष पृष्ठ पर 51965.78 वर्ग सेमी समाचारों का प्रकाशन किया। गढ़वाल पृष्ठ पर 19,332.51 वर्ग सेंटीमोटर समाचारों का प्रकाशन किया। कुल 65.04 वर्ग सेंटीमीटर में समाचारों की कवरेज की गई।

आरेख संख्या 1.1

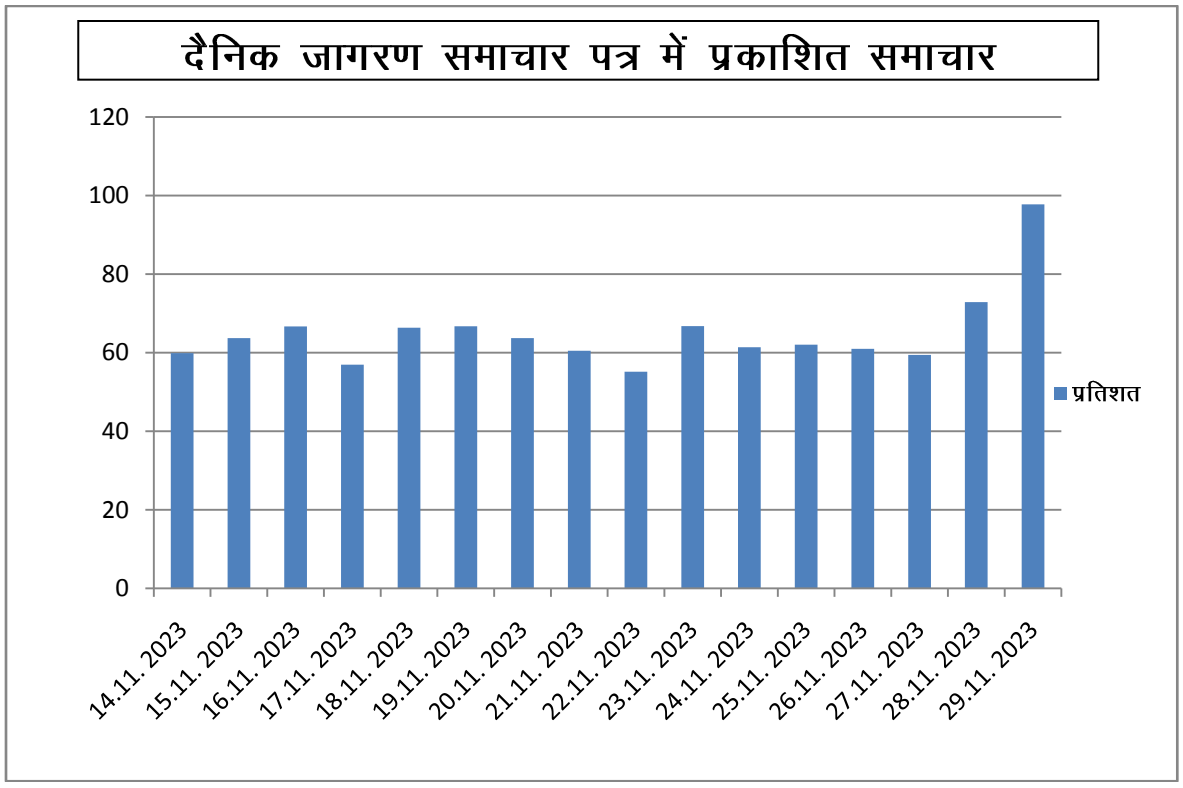

सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों के बचाव को लेकर 14 नवम्बर 2023 से 29 नवम्बर तक चले अभियान को लेकर दैनिक हिन्दुस्तान पत्र में प्रकाशित समाचारों की तालिका निम्न है :–

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886| UGC CARE II
Vol. 19 Issue 04, April- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

तालिका संख्या –1.2

कसं.	दिनांक	प्रथम पृष्ठ में प्रकाशित समाचार (वर्ग सेमी में)	गढ़वाल पृष्ठ (वर्ग सेमी में)	विशेष पृष्ठ (वर्ग सेमी में)	योग	प्रतिशत
1.	14.11. 2023	285	654	1432	2371	47.49
2.	15.11. 2023	411	987.6	1643	3041.6	60.91
3.	16.11. 2023	187	745	1359.3	2291.3	45.89
4.	17.11. 2023	143	870.5	1204	2217.5	44.41
5.	18.11. 2023	213	543.34	1165	1921.34	38.48
6.	19.11. 2023	243.44	435	1053.5	1731.94	34.69
7.	20.11. 2023	189.55	843.9	1543.9	2577.35	51.62
8.	21.11. 2023	213	987	1276	2476	49.59
9.	22.11. 2023	321	996.33	1141.7	2459.03	49.25
10.	23.11. 2023	354	1090	1305.3	2749.3	55.07
11.	24.11. 2023	432	1180	1508.8	3120.8	62.51
12.	25.11. 2023	213	990.7	1605	2808.7	56.25
13.	26.11. 2023	231	732	1013	1976	39.58
14.	27.11. 2023	177.43	1023	1103	2303.43	46.14
15.	28.11. 2023	1198.5	1589	1232	4019.5	80.51
16.	29.11. 2023	1232	1609.5	1654	4495.5	90.05
	योग	6043.93	15267.87	21239.5	42560.29	53.28

तालिका संख्या 1.2 में स्पष्ट है कि हिन्दुस्तान समाचार पत्र ने 14 नवम्बर 2023 से 29 नवम्बर 2023 तक 42560.29 वर्ग सेंटीमीटर समाचार प्रकाशित किए। प्रकाशित समाचारों का कुल प्रतिशत 53.28 रहा। समाचार पत्र के प्रथम पृष्ठ पर 6,043.93 वर्ग सेंटीमीटर समाचार प्रकाशित किए गए। सबसे अधिक समाचारों का प्रकाशन विशेष पृष्ठ पर किया गया। समाचार पत्र ने विशेष पृष्ठ पर 21239.5 वर्ग सेमी समाचारों का प्रकाशन किया। गढ़वाल पृष्ठ पर 15,267.87 वर्ग सेंटीमोटर समाचारों का प्रकाशन किया। कुल 53.28 वर्ग सेंटीमीटर में समाचारों की कवरेज की गई।

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886| UGC CARE II
Vol. 19 Issue 04, April- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

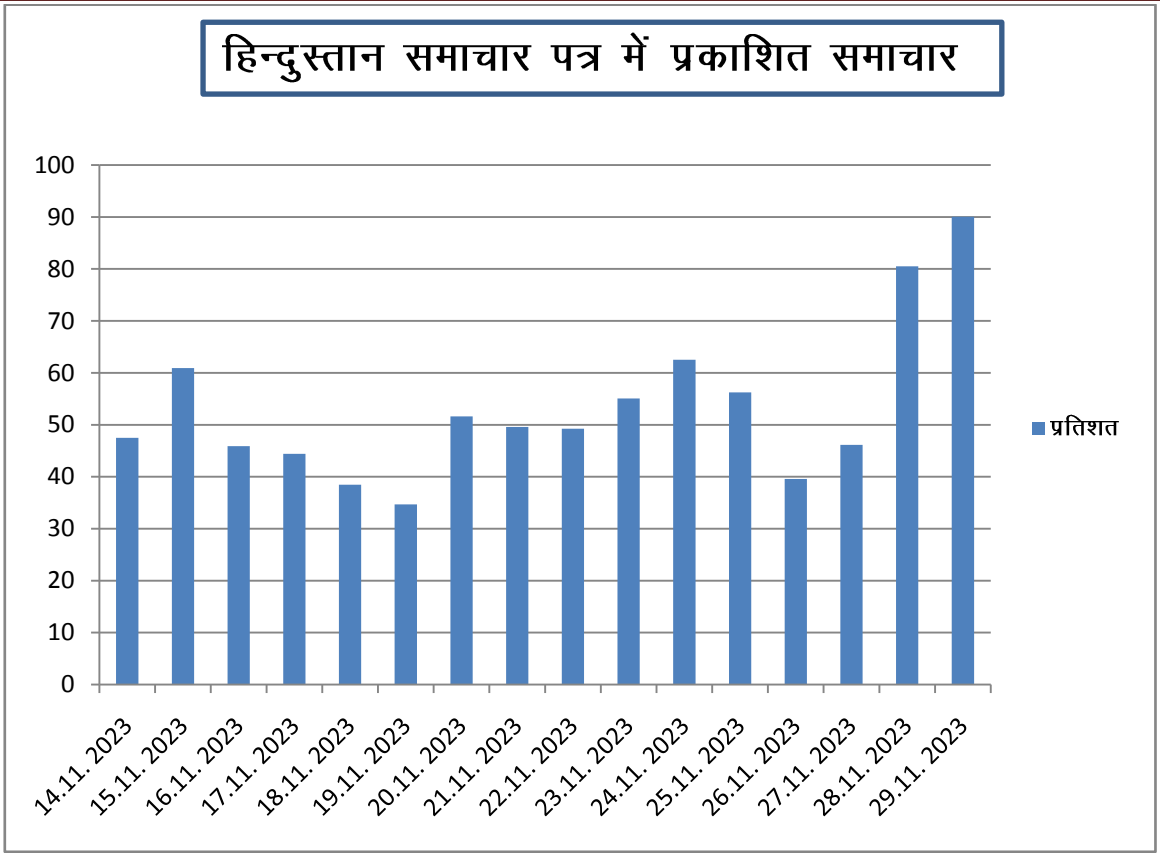

निष्कर्ष एवं सुझाव

उपरोक्त तालिका के आधार पर निष्कर्ष स्वरूप कहा जा सकता है कि

1. तीनों ही चयनित समाचार पत्रों अमर उजाला, दैनिक जागरण पत्रों में प्रकाशित समाचारों का क्षेत्रफल लगभग समान रहा जबकि हिन्दुस्तान समाचार पत्र में अमर उजाला और दैनिक जागरण की तुलना में समाचार प्रकाशत का क्षेत्रफल अपेक्षाकृत कम रहा।
2. तालिका 1.1 से 1.3 में स्पष्ट है कि तीनों समाचार पत्र में से दैनिक जागरण में विषय से संबंधित समाचारों को सर्वाधिक स्थान मिला।
3. उपरोक्त तालिकाओं से स्पष्ट है कि तीनों समाचार पत्रों ने चयनित समय अवधि में सिलक्यारा सुरंग बचाव अभियान से संबंधित आपदा समाचारों को प्रमुखता से प्रकाशित किया।

सुझाव

1. समाचार पत्रों की आपदा में अहम भूमिका होती है। सूचनाओं के माध्यम से आम जनमानस को घटना का पता चलता है। सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों के बचाव अभियान में समाचार पत्रों ने प्रभावी तौर पर घटना को सामने रखा। यहां जरूरी था कि आपदा से पहले भी सतर्कता को लेकर समाचारों का प्रकाशन किया जाना जरूरी है।
2. जनमत व जनजागरूकता की दिशा में समाचार पत्रों की भूमिका उल्लेखनीय होती है और पत्रों को इस पर केंद्रित समाचारों का भी निरंतर प्रकाशन करना चाहिए। आपदा के दौरान बचाव से संबंधित समाचार भी दिए जाने चाहिए।
3. सर्च एंड रेस्क्यू को लेकर आ रही रूकावटों को सामान्य तरीके से समाचारों में प्रकाशन होना चाहिए जबकि कई बार देखा गया है कि समाचारों को सनसनीखेज रूप से प्रकाशित किया गया है।
4. आपदा न्यूनीकरण के लिए सरकारी एजेंसियों की हौसला बढाने वाले समाचार भी प्रकाशित होने चाहिए, ताकि उनमें निराशा का भाव न आए।
5. आपदा की दृष्टि से संवेदनशील और अति संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों और आपदा प्रबंधन पर भी समाचार पत्रों को लगातार समाचार प्रकाशित करने चाहिए।

संदर्भ सूची

1– नेगी डॉ पीएस, आपदा प्रबंध संस्करण, 2015 अध्ययन बुक नई दिल्ली, पृष्ठ 1
2– इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, प्राकृतिक आपदाओं को समझना, पृष्ठ 7
3– उत्तराखंड इयर बुक, बिंसर पब्लिकेशन, 2018 पृष्ठ 19
4– दैनिक जागरण, जागरण प्रकाशन लिमि., देहरादून,, 14 नवम्बर 2023, पृष्ठ 1
5– कुलश्रेष्ठ डॉ विजय, जैन डॉ हंसा, जैजनसंचार प्रविधि, माया प्रकाशन मंदिर जयपुर, पृष्ठ 332
6– कुलश्रेष्ठ डॉ विजय, जैन डॉ हंसा, जैजनसंचार प्रविधि, माया प्रकाशन मंदिर जयपुर, पृष्ठ 336
7– गुर्जर राजकुमार, जाट बी.सी., प्राकृतिक आपदाएं, सुरभि पब्लिकेशन, जयपुर, पृष्ठ 8
8– अमर उजाला विकिपीडिया
9–दनिक जागरण विकिपीडिया
10– हिन्दुस्तान विकिपीडिया